Roll No. .....

Signature of Invigilator ……

Paper Code
BD 301

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination Dec. – 2017

B. A. Philosophy (Semester: Third)

Paper : First

न्याय दर्शन - 1

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो तीन (03) खंडों अ, ब, तथा स में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड-अ

(दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'अ' में पांच (05) दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×15=45)**

1. न्याय के सोलह पदार्थों का संक्षिप्त वर्णन करें।
2. न्याय दर्शन के आलोक में प्रमा, प्रमाता, प्रमिति, प्रमेय और प्रमाण सम्प्रत्यय को स्पष्ट करें।
3. न्याय दर्शनानुसार मोक्ष (अपवर्ग) के उपायों का वर्णन करें।
4. न्याय दर्शन द्वितीय अध्याय के मुख्य वर्ण्य विषय क्या हैं? विवेचना करें।
5. संशय क्या है तथा यह भ्रम से किस प्रकार भिन्न है? समझाइए।

खण्ड-ब

(लघु-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ब' में छः (06) लघु-उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(4×5=20)**

1. शब्दार्थव्यवस्थानादप्रतिषधः - सूत्रार्थ सहित व्याख्या करें।
2. न्याय दर्शन के अनुसार प्रत्यक्ष प्रमाण क्या है? समझाइए।
3. न्याय दर्शन में वर्णित बारह प्रमेयों की संक्षिप्त व्याख्या कीजिए।
4. न्याय दर्शन के 'पंचावयव' सिद्धान्त का वर्णन करें।
5. 'न कर्मकर्त्तृसाधनवैगुण्यात्' का आशय स्पष्ट करें।
6. न्याय दर्शन में छल क्या है? समझाइए।

खण्ड–स

(वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

नोट : खण्ड 'स' में दस(10) वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आधा अंक निर्धारित है। इस खण्ड के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। **(10×0.5=05)**

1. न्याय दर्शन में कितने तत्त्वों का प्रतिपादन किया गया है?
(अ) तेरह (ब) सोलह
(स) चौदह (द) बारह

2. न्याय दर्शन के अनुसार दुःखों का नाश है .....
(अ) सुखों की प्राप्ति (ब) जीवन
(स) अपवर्ग (द) उपरोक्त में से कोई नहीं

3. न्याय दर्शन में कितने प्रमाण स्वीकार किए गये हैं?
(अ) तीन (ब) पाँच
(स) दो (द) चार

4. न्याय दर्शन का प्रतिपाद्य विषय और उद्देश्य क्या है?
(अ) जीवन की रक्षा (ब) अपवर्ग की प्राप्ति
(स) विषयों का भोग (द) दुःखों की प्राप्ति

5. न्याय दर्शन के अनुसार दोष कितने हैं?
(अ) असंख्य (ब) दस
(स) पन्द्रह (द) बीस

6. गौतम के अनुसार प्रमेयों की संख्या है .....
(अ) 09 (ब) 12
(स) 16 (द) 24

7. प्रेत्यभाव किसे कहते हैं?
(अ) मुक्त होना (ब) पुनर्जन्म होना
(स) दोनों 'अ' एवं 'ब' (द) उपरोक्त में से कोई नहीं

8. न्याय दर्शन के अनुसार शरीर है .....
(अ) मोक्ष का साधन (ब) भोगों का आधार
(स) आत्मा का स्वामी (द) उपर्युक्त में से कोई नहीं

9. न्याय दर्शन के अनुसार पृथ्वी के कितने गुण हैं?
(अ) चार (ब) तीन
(स) एक (द) दो

10. न्याय दर्शन के अनुसार आत्मा है .....
(अ) द्रष्टा (ब) द्रष्टा और ज्ञाता
(स) ज्ञाता, द्रष्टा और भोक्ता (द) उपरोक्त में से कोई नहीं

----------x----------